जालंधर, मंगलवार 04 जून 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

किस्मत के पन्ने वही पलटता है,
जो दिन रात मेहनत करता है!

@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news www.vandebharat24.com

93 पत्रकारों और 42 चैनलों पर 'बैन'

मोदी विरोधी प्रोपेगंडा को हवा

17 YouTube कर्मचारियों के खिलाफ शुरू हुई जाँच, चुनाव को प्रभावित करने के लिए अपनाए हथकंडे

जालंधर(हर्ष शर्मा) : YouTube भारत में राष्ट्रवादी कंटेंट्स को सेंसर करने में लग गया है। जिस वीडियो में कॉन्ग्रेस की आलोचना की जाती है, उसे Demonetise कर दिया जाता है अर्थात उससे कंटेंट क्रिएटर को पैसे नहीं मिलते। कई युट्यूबर्स ने इस संबंध में केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया था। आशंका जताई जा रही है कि YouTube India के कुछ कर्मचारी ये गड़बड़झाला कर रहे हो सकते हैं। ऐसे 17 कर्मचारियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों ने जाँच की शुरुआत भी कर दी है।

बताया गया है कि YouTube के इन 17 कर्मचारियों की बातचीत भी केंद्र सरकार को सौंपी गई है। इनकी साजिश थी कि न्यूट्रल कवरेज को रोका जाए और ऐसे हैंडलों को शैडो बैन किया जाए। शैडो बैन का अर्थ होता है किसी अकाउंट के कंटेंट की रीच को सीमित कर देना, इससे उक्त कंटेंट उनके अपने ही सब्सक्राइबर्स तक नहीं पहुँच पाता। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रपंच को भी जम कर हवा दी जा रही थी। चुनावों को मशीनरी का इस्तेमाल कर के किसी विदेशी संस्था द्वारा प्रभावित करना एक आपराधिक कृत्य है।

ऐसे में केंद्र सरकार की जाँच एजेंसियों ने अपना काम शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि यूट्यूब के इन आरोपित कर्मचारियों में से 12 पुरुष हैं और 5 महिलाएँ। ये मुंबई, केरल और पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखते हैं। बताया जा रहा है कि इन्होंने YouTube के अल्गोरिदम के साथ छेड़छाड़ की। साथ ही 93 पत्रकारों और 42 चैनलों के खिलाफ शैडो बैन लगा दिया, जो इस चुनाव में न्यूट्रल थे और कॉन्ग्रेस का पक्ष नहीं ले रहे थे। The New Indian' ने इस संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय में भी सबूत सौंपे हैं।

कंटेंट क्रिएटर्स ने माँग की है कि YouTube के जिन अधिकारियों ने भारतीय लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व के दौरान गड़बड़ी की है, उन्हें इसके लिए सज़ा दी जाए। जिन्होंने जनता के मूड को भाँपते हुए भाजपा की जीत का अनुमान लगाया, उन्हें भी शैडो बैन का सामना करना पड़ा। आरोप है कि वीडियो में राहुल गाँधी या अन्य विपक्षी नेताओं का नाम लेते ही उसकी रीच घटना दी जाती है। YouTube 'स्ट्रिंग' और 'सब लोकतंत्र' नामक बड़े दक्षिणपंथी चैनलों को पहले ही हटा चुका है।

ब्रह्मोस के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को उम्रकैद, ISI के लिए जासूसी का आरोप

जालंधर(हिमांशु) : निशांत अग्रवाल को 2018 में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को ब्रह्मोस मिसाइल के बारे में जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

निशांत अग्रवाल ब्रह्मोस एयरोस्पेस में सीनियर सिस्टम इंजीनियर थे और मिसाइल परियोजनाओं में शामिल थे। अग्रवाल को आईएसआई को परियोजनाओं के बारे में गोपनीय जानकारी देने के आरोप में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस ने 2018 में नागपुर के पास से गिरफ्तार किया था। बता दें कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस डीआरडीओ और रूस के मिलिट्री इंडस्ट्रियल कंसोर्टियम (एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया) का एक संयुक्त उपक्रम है, जो भारत में सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के विकास और निर्माण का काम करता है। इन सुपरसोनिक मिसाइलों को जमीन, हवा, समुद्र और पानी के नीचे से भी लॉन्च किया जा सकता है। 2018 में जब अग्रवाल की गिरफ्तारी हुई थी, तब उस खबर ने हलचल मचा दी थी क्योंकि यह ब्रह्मोस एयरोस्पेस से जुड़ा यह पहला जासूसी का मामला था। तब आरोप लगे थे कि अग्रवाल दो फेसबुक अकाउंट – नेहा शर्मा और पूजा रंजन के ज़रिए संदिग्ध पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में था। इस्लामाबाद से संचालित इन अकाउंट्स के बारे में माना जाता है कि इन्हें पाकिस्तान के खुफिया एजेंस चला रहे थे।

9 फोन तोड़े गए और जो जांच के लिए मिला... ED की चार्जशीट में शराब घोटाले पर बड़ा खुलासा, 1100 करोड़ का झोल हुआ

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : दिल्ली के कथित शराब घोटाले में आरोपी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता के. कविता और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में बड़ा खुलासा हुआ है. इसके मुताबिक, इस स्कैम में टोटल प्रोसीड ऑफ क्राइम 1100 करोड़ रुपये था, जिसमें से 292.8 करोड़ रुपये का ब्यौरा ईडी ने अपनी चार्जशीट में दी है. चार्जशीट के मुताबिक 9 फोन नष्ट किये गए और जो 1 फोन ईडी को जांच के लिए दिया गया, उसका डाटा पहले ही डिलीट कर दिया गया था.

ईडी ने अपनी चार्जशीट में कहा कि शराब नीति में जो बदलाव किए गए, मतलब कि प्रॉफिट मार्जिन को बढ़ाकर 12त्न किया गया, उससे सरकार को 581 करोड़ का सीधा नुकसान हुआ. जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि चरणजीत सिंह ने के. कविता के लिए फाइव स्टार होटल में 10 लाख रुपये का रूम बुक करवाया था.

के. कविता ने साउथ ग्रुप के दूसरे मेंबर्स और समीर महेंद्रू के साथ साजिश रच कर एमएस इंडो स्प्रिट कंपनी बनाई, जिसका इस्तमाल प्रोसीड ऑफ क्राइम के लिए किया गया. साजिश के तहत एमएस इंडो स्प्रिट को एल1 होलसेल लाइसेंस दिया गया, जिसके बदले में के. कविता और साउथ ग्रुप की तरफ से 100 करोड़ का किक बैक मिला. इस प्रक्रिया में एमएस इंडो स्प्रिट को नई एक्साइज पॉलिसी से शराब पर 12त्न का प्रॉफिट (192.8 करोड़) मिला था, जो कि प्रोसीड ऑफ क्राइम का ही हिस्सा था.

ईडी ने बताया कि के. कविता ने अरुण, अभिषेक, बुच्ची बाबू के साथ मिलकर साजिश के तहत आम आदमी पार्टी के नेताओं साठगांठ कर नई शराब पॉलिसी बनाई. इस बीच, दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत सोमवार को तीन जुलाई तक बढ़ा दी.

कविता के खिलाफ पहले जारी एक पेशी वारंट की तामील करते हुए उन्हें अदालत में पेश किया गया और विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ा दी. अदालत ने 29 मई को मामले में बीआरएस नेता के खिलाफ आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए वारंट जारी किया था. अदालत ने इस मामले में तीन सह-आरोपियों प्रिंस, दामोदर और अरविंद सिंह को जमानत दे दी.

कविता कथित घोटाले में ईडी और सीबीआई द्वारा दर्ज दो मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं. यह 'घोटाला' दिल्ली सरकार की 2021-22 के लिए आबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से संबंधित है. इस आबकारी नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था. ईडी ने कविता (46) को 15 मार्च को हैदराबाद में उनके बंजारा हिल्स स्थित आवास से गिरफ्तार किया था. सीबीआई ने उन्हें तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था.

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525
आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

'के कविता ने AAP को दी 100 करोड़ की घूस, फोन से मिटाए सबूत, ED की चार्टशीट में बड़ा खुलासा

जालंधर (हर्ष शर्मा) : दिल्ली आबकारी घाटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने बीआरएस नेता के कविता के खिलाफ जो सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर किया था, उसे लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. चार्जशीट के मुताबिक इस घोटाले में टोटल प्रोसीड ऑफ क्राइम 1100 करोड़ रुपये था, जिसमें से 292.8 करोड़ रुपये का ब्यौरा ईडी ने अपनी चार्जशीट में दी है. चार्जशीट के मुताबिक 9 फोन नष्ट किए गए, 1 फोन ईडी को जांच के लिए दिया गया, जिसका डाटा डिलीट पाया गया.

प्रॉफिट मार्जिन बढ़ाने से करोड़ो का नुकसान

ईडी के चार्जशीट के मुताबिक करीब 300 करोड़ रुपये की आपराधिक आय में बीआरएस की नेता के कविता शामिल थीं. ईडी की ओर से बताया गया कि शराब नीति में जो बदलाव किया गया था, उसमें प्रॉफिट मार्जिन को बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया, जिससे सरकार को 581 करोड़ का सीधा नुकसान हुआ. चरणजीत सिंह ने के कविता के लिए फाइव स्टार होटल में 10 लाख रुपये का रूम बुक करवाया था.

AAP को रिश्वत देने का आरोप

के कविता ने साउथ ग्रुप के दूसरे मेंबर्स और समीर महेंद्रू के साथ साजिश रच कर एमएस इंडो स्प्रिट कंपनी बनाई, जिसका इस्तेमाल प्रोसीड ऑफ क्राइम के लिए किया गया. साजिश के तहत एमएस इंडो स्प्रिट को एल-1 होलसेल लाइसेंस दिया गया, जिसके बदले में के कविता और साउथ ग्रुप की तरफ से 100 करोड़ रुपया आम आदमी पार्टी के नेताओं को रिश्वत के रूप में दिए गए. इससे एमएस इंडो स्प्रिट को नई एक्साइज पालिसी के तहत 12 फीसदी यानी कि 192.8 करोड़ रुपया का फायदा हुआ, जो कि प्रोसीड ऑफ क्राइम का ही हिस्सा था.

चार्जशीट के मुताबिक बीआरएस नेता के कविता ने अरुण, अभिषेक, बुच्ची बाबू के साथ मिल कर साजिश के तहत आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिल कर नई शराब नीति बनाई.

पंजाब की दलित महिला बाउंसर के पीछे पड़े शोहदे, हफ्ते के भीतर तीन बार छेड़छाड़ की

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : पंजाब के लुधियाना की दलित महिला बाउंसर से नुमाइश में शराब के नशे में धुत शोहदों ने छेड़छाड़ की। बाउंसर नुमाइश में झूले पर टिकट चेकिंग की ड्यूटी कर रही है। आरोप है कि विरोध पर अभद्रता करते हुए खींचतान भी की गई।

कोतवाली में तहरीर देने के साथ ही महिला हेल्पलाइन पर भी शिकायत की गई है।

नगर के बाईपास पर नुमाइश का संचालन किया जा रहा है। पंजाब के लुधियाना की दो महिला बाउंसर यहां झूलों पर टिकट चेकर के रूप में तैनात हैं। बताया जा रहा है कि 31 मई की रात कई साथियों के संग नशे में धुत होकर दो युवक झूले पर पहुंचे। दोनों बिना टिकट जबरन झूले में चढ़ने लगे। बाउंसर ने मना किया तो उसके संग अभद्रता की। आरोपी की छेड़छाड़ के संग खींचतान भी की गई। शिकायत पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। नुमाइश में मौजूद भीड़ ने दोनों आरोपियों को घेर लिया। पुलिस ने आरोपियों को समझाया तो वह उनसे भी उलझ गए। कोतवाली से लेपर्ड बुलाई गई। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों का मेडिकल कराने की बजाए उन्हें बिना किसी कार्रवाई जाने दिया। इससे पूर्व भी एक दिन आरोपियों ने महिला बाउंसर से जबरन उसका फोन नंबर लेने का प्रयास किया था। बाद में आरोपियों ने नुमाइश ग्राउंड के सामने स्थित बाउंसर व उसकी महिला साथी के कमरे पर पहुंचकर अंजाम भुगतने की धमकी दी। डरी हुई बाउंसर व उसकी साथी ने मजबूरी में कमरा बदल लिया। रविवार रात फिर आरोपी नुमाइश में पहुंच गए और हंगामा किया। बाउंसर से फिर खींचतान की गई। पीड़िता का कहना है कि आरोपी नजदीकी के पेट्रोल पंप पर कर्मचारी हैं। डायल 112 व महिला हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करने के काफी देर बाद तक भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी भाग निकले। कोतवाली में भी तहरीर दी गई, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। उधर, बताया जा रहा है कि एक आरोपी ने कुछ समय पूर्व स्कूल की बस में भी छात्राओं से छेड़छाड़ की थी। मामला कोतवाली भी पहुंचा था। हालांकि बाद में आरोपी के माफी मांगने पर मामला रफा दफा हो गया था। प्रभारी निरीक्षक सनोज प्रताप सिंह ने बताया कि मामले में जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जरूरतमंद लोगों के मंदद के लिए अग्रसर रहते थे : श्री इंद्रजीत छाबड़ा

स्व. श्री इंद्रजीत छाबड़ा को डॉ. नवनीत कपूर, डॉ. आशिष कपूर, अर्पित कपूर ने अर्पित की श्रद्धांजलि

जालंधर (हर्ष शर्मा) : अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है की श्री इंद्रजीत छाबड़ा अपनी संसारिक यात्रा पूर्ण कर स्वर्ग कर प्रभु चरणो में लीन हो गए है ।3 जून दिनांक, सोमवार को उनकी आत्मिक शांति के लिये अंतिम अरदास दुपहर 12 बजे से 1:30 बजे तक इतिहासिक आस्थान गुरुद्वारा, बस्ती शेख मे संपूर्ण हुई।

जिसमे शहर के कई अति गण मान्य हस्तियां मौजूद रही ।जिसमे मुख्य रूप से सुशील कुमार रिंकू, डॉ. नवनीत कपूर, डॉ. आशिष कपूर, अर्पित कपूर, अमित ढल्ल, रोबिन सांपला, कमलजीत सिंह, मोंटी जालंधर हाइट, हर सिमरजीत सिंह बंटी, मंजीत सिंह टीटू, हरजिंदर सिंह लाडा, दविन्दर गोला, गौरव निश्चल, बिल्ला जुल्का, काला जुल्का, सुरिन्दर शर्मा (पप्पू), सोनू, हरमीत, मोहिन्दर सिंह केपी, पंकज चढ्ढा (प्रधान सोढ़ल मंदिर), दलजीत चाला, सन्नी वर्मा, शम्मी जोरा, रंजीत सिंह, आशू, शाम (मोंटू), विनोद नारंग, दविन्दर, कुलविंदर सिंह, सुनिल शर्मा, सोनू खालसा, लवली, सुख्खा, मीता, गोरा, अतूल, ज्योति ने अपनी उपस्थिति दे इस अंतिम अरदास में शिरकत की।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। वाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

पंजाब की पांच लोकसभा सीटों पर महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत ज्यादा, आठ पर पुरुष रहे आगे

जालंधर (काजल विज) : पंजाब की सभी 13 सीटों पर कुल 62.80 फीसदी मतदान हुआ है, जिसमें पुरुषों का वोट प्रतिशत 63.27 व महिलाओं का वोट प्रतिशत 62.28 रहा है। ओवरऑल वोट प्रतिशत में पुरुष आगे रहे हैं, बावजूद इसके पांच लोकसभा हलकों में वोट प्रतिशत के मामले में महिला वोटरों ने बाजी मार ली है।

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव के मुकाबले ओवरऑल वोट प्रतिशत कम हुआ है और महिला व पुरुष मतदाताओं के वोट प्रतिशत पर भी उसका प्रभाव साफ देखा जा सकता है। पिछले साल पुरुषों का वोट प्रतिशत 66.26 और महिला वोट प्रतिशत 65.63 रहा था।

जिन पांच लोकसभा सभा हलकों में वोट प्रतिशत में महिलाएं आगे रही हैं, उनमें गुरदासपुर में 68.89 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने वोट किया, जबकि पुरुषों का प्रतिशत 64.70 प्रतिशत रहा। इसी तरह खडूर साहिब में भी महिला वोट ही आगे रही। यहां 63.56 प्रतिशत महिलाओं ने वोट किया, जबकि 61.65 प्रतिशत पुरुष मतदाता वोटिंग के लिए आए। इसी तरह जालंधर में 60.44 फीसदी महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि पुरुषों में 59.03 फीसदी मतदाताओं ने ही अपना वोट डाला। होशियारपुर लोकसभा हलकों में भी महिला वोटरों ने ही वोटिंग में अपना परचम लहराया। यहां 61.60 फीसदी महिलाओं ने अपना वोट किया, वहीं 56.31 पुरुष वोटर वोटिंग के लिए आगे आएं। आनंदपुर साहिब में भी महिला वोटर आगे रही और यहां 63.18 फीसदी महिलाओं ने अपने घरों से निकलकर मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डाला, जबकि 60.88 फीसदी पुरुष मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इससे साफ है कि इन पांच लोकसभा हलकों में प्रत्याशियों की जीत में पुरुषों के मुकाबले महिला वोटर अहम भूमिका निभाने जा रहे हैं।

मत प्रतिशत के मुकाबले में यहां पुरुष वोटर रहे आगे

इसी तरह बाकी आठ सीटों पर पुरुष मतदाता वोटिंग प्रतिशत में महिलाओं के मुकाबले रहे हैं। इन सीटों में अमृतसर, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर और पटियाला शामिल है। बठिंडा में सबसे अधिक 70 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने अपना वोट किया और ओवरऑल वोटर प्रतिशत में भी बठिंडा सीट पर ही सबसे अधिक मतदान हुआ है।

ट्रांसजेंडरों का वोटर प्रतिशत रहा 36.22 फीसदी

इसी तरह अगर ट्रांसजेंडरों के वोट प्रतिशत की बात की जाए तो ये 36.22 फीसदी रहा है, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले अधिक ट्रांसजेंडर वोटिंग के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचे। वर्ष 2019 में ट्रांसजेंडरों का वोट प्रतिशत 26.61 प्रतिशत रहा था। इस बार सबसे अधिक फतेहगढ़ साहिब में ट्रांसजेंडरों ने वोट डाला, क्योंकि इस सीट पर उनका वोट प्रतिशत 65.63 प्रतिशत रहा। इसके बाद ही बठिंडा में ट्रांसजेंडरों का मतदान प्रतिशत 55.88 प्रतिशत रहा, जबकि जालंधर में 52.27 प्रतिशत ट्रांसजेंडरों ने अपना वोट डाला है। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में आनंदपुर साहिब सीट पर सबसे अधिक 59.52 प्रतिशत ट्रांसजेंडर मतदाताओं ने अपना वोट डाला था।

सीएम मान गृह क्षेत्र में भी गिरा वोटिंग प्रतिशत

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के हलके में भी वोट प्रतिशत कम हुआ है। अगर गृह जिले की बात की जाए तो वहां पर भी मतदान कम हुआ है। सुनाम में इस बार 65.38 फीसदी मतदान रहा है, जबकि वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में यहां मतदान प्रतिशत 75.80 रहा था। उस हिसाब से यहां भारी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। आप ने संगरूर में इस बार कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर को चुनाव मैदान में उतारा था। यहां उनके खिलाफ कांग्रेस से सुखपाल खैरा, भाजपा से अरविंद खन्ना, शिअद से इकबाल झूंदा और शिअद अमृतसर से सांसद सिमरनजीत सिंह मान चुनाव मैदान में उतरे थे।

कई दिग्गजों के विधानसभा हलकों में भी वोटिंग प्रतिशत नीचे

कई दिग्गजों के विधानसभा हलकों में वोटिंग प्रतिशत नीचे आया है। कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने ये लोकसभा चुनाव लुधियाना सीट पर लड़ा है, लेकिन उनका विधानसभा क्षेत्र गिद्दड़बाहा है। ये विधानसभा हलका फरीदकोट लोकसभा सीट के अंडर आता है और यहां पर मतदान प्रतिशत 69.98 प्रतिशत रहा है, जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में यहां 70.73 प्रतिशत मतदान रहा था।

खुड्डियां के हलके में भी कम हुआ वोटिंग प्रतिशत

इसी तरह लोकसभा चुनाव में बठिंडा से आप के प्रत्याशी गुरमीत सिंह खुड्डियां के विधानसभा हलके में भी मतदान प्रतिशत कम हुआ है। वह लंबी विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और यहां पर इस बार 71.95 फीसदी मतदान हुआ है, जबकि अगर पिछले लोकसभा चुनाव की बात की जाए तो यहां पर 73.85 फीसदी मतदान रहा था।

चंडीगढ़ में चुनाव परिणाम से पहले कांग्रेस की कार्रवाई, बंसल गुट के नेताओं को दिखाया पार्टी से बाहर का रास्ता; मचा बवाल

जालंधर (हिमांशु) : चुनाव परिणाम आने से पहले कांग्रेस ने अपने कई नेताओं पर कार्रवाई की है। आरोप है कि यह वह नेता जिन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी के खिलाफ काम किया। इनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता भी शामिल हैं।

इसके अलावा कई नेताओं को पदमुक्त कर दिया गया है। यह सभी पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल के समर्थक हैं। मनीष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने और बंसल को टिकट न मिलने से वह नाराज रहे। यह नेता शुरू से ही चंडीगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे। नाराज नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा भी दिया था। इन नेताओं का आरोप था कि कांग्रेस अध्यक्ष लकी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल के खिलाफ टिप्पणी की है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बंसल रहे चुनाव प्रचार से दूर

पवन बंसल ने खुद को चुनाव प्रचार से दूर रखा। वह सिर्फ पार्टी हाईकमान के कहने पर सिर्फ दिखावे के लिए प्रियंका गांधी की रैली में आए, लेकिन यहां पर भी उन्हें आम आदमी पार्टी की दो महिला पार्षदों ने धक्के मारे तो इस मामले को बंसल गुट ने खूब तूल दिया और प्रेसवार्ता कर कहा कि कांग्रेस का चंडीगढ़ सीट पर आम आदमी पार्टी के साथ गंठबधन करना एक बड़ी भूल है।

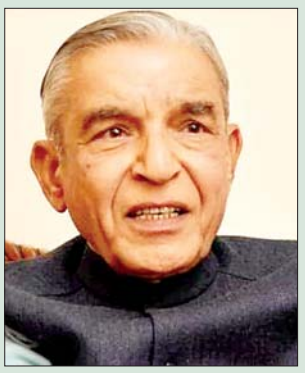

बंसल गुट के 10 से ज्यादा सीनियर नेताओं पर पर हुई कार्रवाई

हाई कमान से मंजूरी लेकर बंसल गुट के 10 से ज्यादा सीनियर नेताओं पर कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से पार्टी में बवाल मचा है। यह कार्रवाई हाई कमान की ओर से लोकसभा चुनाव में नियुक्त ऑब्जर्वर की रिपोर्ट पर की गई है। जिन नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया गया है उनमें महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष दीपा दुबे, साहिल दुबे, अभिषेक शर्मा, हाफिज अनवर उल हक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रवि ठाकुर का नाम शामिल है। जिन नेताओं को पद से हटाया गया है उनमें पूर्व मेयर हर फूलचंद कल्याण विनोद शर्मा मनोज गर्ग प्रवक्ता सतीश कैद और हाकम सर्दी का नाम शामिल है। यह सभी पवन बंसल के गरीबी है और प्रदेश कार्यकारिणी के सीनियर पदाधिकारी है।

अध्यक्ष लकी के खिलाफ खोल सकते हैं मोर्चा

पार्टी के अनुसार चुनाव में इन नेताओं को मनाने का काफी प्रयास भी किया गया था। पार्टी की इस कार्रवाई से बंसल अच्छा एकजुट हो रहा है। यह सभी मंगलवार को आने वाले चुनाव परिणाम पर नजर रखे हुए हैं। अगर चुनाव में कांग्रेस पार्टी जीत जाती है तो यह सभी नेता चुप्पी सादे रखेंगे अगर पार्टी चुनाव हार जाती है तो अध्यक्ष लकी के खिलाफ यह नेता मोर्चा खोलते हुए सड़क पर आ जाएंगे।

1991 से लगातार चंडीगढ़ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं बंसल

पवन कुमार बंसल साल 1991 से लगातार चंडीगढ़ सीट से चुनाव लड़ते आ रहे हैं और उनका चंडीगढ़ कांग्रेस पर एक छत्र राज रहा है लेकिन इस बार अध्यक्ष लकी बंसल के समर्थन में नहीं थे और पार्टी हाई कमान ने मनीष तिवारी को टिकट देकर मैदान में उतारा। प्रवक्ता के पद से पद मुक्त हुए पवन बंसल के समर्थक सतीश कैथ का कहना है कि उनको अभी पार्टी की ओर से की गई कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं मिली है। वह पार्टी के सच्चे सिपाही हैं। उनका कहना है कि इस समय पार्टी को मजबूत करने की जरूरत है ना की कार्रवाई करके कमजोर करने की जरूरत है। जब उनसे पूछा जाएगा तो वह जवाब देंगे कि उन्होंने चुनाव में क्या काम किया है।

पंजाब में लोकसभा चुनाव मतगणना के लिए 64 पर्यवेक्षकों की तैनाती

जालंधर (संदीप मान) : पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सिबिन सी. ने सोमवार को बताया कि मतगणना प्रक्रिया की निगरानी के लिए कुल 64 पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के लिए मतों की गिनती मंगलवार सुबह आठ बजे शुरू होगी।

शनिवार को हुए मतदान में पंजाब में 62.80 प्रतिशत मतदान हुआ। पंजाब के सीईओ ने कहा, विभिन्न राज्यों के अखिल भारतीय सेवाओं और सिविल सेवा संवर्गों से चुने गए कुल 64 मतगणना पर्यवेक्षक मतगणना प्रक्रिया की देखरेख करेंगे।

उन्होंने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि इन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि मतों की गिनती पारदर्शी, प्रभावी तरीके से तथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए की जाए। सिबिन सी. ने बताया कि राज्य में 48 भवनों और 27 स्थानों पर कुल 117 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतर स्थान जिला मुख्यालयों में स्थित हैं, सात स्थान जिला मुख्यालयों के बाहर हैं - ये अजनाला, बाबा बकाला, अबोहर, मलोट, धूरी, छोकरा राहों-नवां शहर, और खूनी माजरा (खरार) हैं। सीईओ ने कहा कि इन मतगणना केंद्रों के स्ट्रांग रूम में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा, ये स्ट्रांग रूम डबल लॉक सिस्टम से सुरक्षित हैं और इनकी लगातार सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

पंजाब के सीईओ ने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और अधिकृत कर्मचारी प्रत्येक स्ट्रांग रूम के बाहर लगाई गई एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सुरक्षा की निगरानी कर सकते हैं, जिसमें आसपास के क्षेत्र का लाइव फुटेज दिखाया जाता है।

पंजाब में AAP विधायक का इस्तीफा मंजूर: BJP में गए थे; चुनाव होते ही रेजिग्नेशन वापस लेने स्पीकर के पास पहुंचे, बोले- कोर्ट जाऊंगा

जालंधर (संदीप मान) : पंजाब के जालंधर वेस्ट से विधायक शीतल अंगुराल को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इस पर अब विधायक कहना है कि वह इस फैसले को चैलेंज करते हैं, और कोर्ट जाएंगे। इस फैसले के खिलाफ वह पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

इससे पहले आज सुबह करीब साढ़े 11 बजे स्पीकर से मिलने अंगुराल पहुंचे थे। हालांकि, स्पीकर विधानसभा में मौजूद नहीं थे, इसलिए विधायक को कुछ समय इंतजार करने के बाद लौटना पड़ा। वह स्पीकर के सामने अपना पक्ष रखने पहुंचे थे।

लौटते समय अंगुराल ने कहा, 'मैं स्पीकर से मिलने पहुंचा था, लेकिन वह विधानसभा में मौजूद नहीं हैं। मैं उनके सेक्रेटरी से मिलकर आया हूं। स्पीकर फिलहाल दिल्ली में हैं, जिसके चलते वह मिल नहीं सके। अब 11 जून को सुबह 11 बजे मुझे दोबारा बुलाया गया है। इस्तीफा वापस लेने का लेटर मैंने सेक्रेटरी के पास जमा कर दिया है, और रिसीविंग ले ली है।'

मैंने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल किया अंगुराल बोले, 'मैं चाहता था कि लोकसभा चुनावों के साथ उप-चुनाव होते, जैसा हिमाचल में हुआ है। चुनाव से 69 दिन पहले मैंने इस्तीफा दिया, लेकिन अभी तक मंजूर नहीं किया गया। यह इनकी मर्जी थी। इस्तीफा वापस लेना मेरा लोकतांत्रिक अधिकार था, जिसे मैंने इस्तेमाल किया।'

वहीं, BJP छोड़ने के सवाल पर अंगुराल ने चुप्पी साधी। बोले, 'मैं इस पर कोई जवाब नहीं दूंगा। स्पीकर अगर कोई कार्रवाई करते हैं तो मैं कोर्ट का रुख करूंगा।'

इससे पहले जब स्पीकर से मिलने अंगुराल पहुंचे तो उन्होंने कहा, 'मैंने इस्तीफा केवल इसलिए दिया था, क्योंकि लोकसभा चुनावों के साथ ही उसके चुनाव करवाए जाते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मेरे लोगों ने वोट मुझे डाले हैं, न की किसी पार्टी को। इसलिए, मैंने इस्तीफा वापस लेने का फैसला

लिया है। आज मैं अपना पक्ष रखने आया। मेरे साथ किसी प्रकार कोई धक्का हुआ तो मैं हाईकोर्ट जाऊंगा।'

लोकसभा चुनाव से पहले BJP में शामिल हुए थे साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में शीतल अंगुराल आम आदमी पार्टी की टिकट से जालंधर वेस्ट से जीतकर विधायक बने थे, लेकिन लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 27 मार्च को वह भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन जैसे ही मतदान संपन्न हुआ तो उन्होंने इस्तीफा वापस लेने के लिए विधानसभा स्पीकर को पत्र लिखा है।

स्पीकर को यह पत्र लिखा शीतल ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा, 'अगर इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया जाता तो लोकसभा चुनावों के साथ ही वेस्ट हलके की वोटिंग भी हो जाती, लेकिन विधानसभा स्पीकर ने मेरा इस्तीफा मंजूर नहीं किया। इसके चलते अब उक्त हलके में उप-चुनाव करवाने पड़ेंगे। इससे सरकार का चुनावी खर्च बढ़ेगा। यही वजह है कि मैं अपना इस्तीफा वापस ले रहा हूं।'

इस लेटर के बाद ही शीतल को विधानसभा स्पीकर ने आज वैरिफिकेशन के लिए बुलाया गया था।

सांसद रिंकू के साथ गए थे भाजपा में जालंधर वेस्ट हलके से विधायक अंगुराल के साथ जालंधर सीट से AAP सांसद रहे सुशील कुमार रिंकू भाजपा में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। उनके भाजपा में शामिल होने के बाद जालंधर में AAP वर्करों ने उनके घर के बाहर जमकर नारेबाजी की थी।

वहीं, उन्हें पार्टी का गद्दार तक कह दिया था। इसके बाद जिला पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धरना देने और सरकार संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर मामला दर्ज भी किया था। ऑपरेशन लोटस के मुख्य शिकायतकर्ता पंजाब की राजनीति में भूचाल लाने वाले ऑपरेशन लोटस के मुख्य शिकायतकर्ता शीतल अगुंराल ही हैं। करीब डेढ़ साल पहले ऑपरेशन लोटस मामले में AAP के 2 विधायक शीतल अंगुराल और रमन अरोड़ा ने बयान दर्ज करवाए थे।

मोहाली थाने में केस दर्ज होने के बाद इस मामले की जांच विजिलेंस ब्यूरो को सौंपी गई थी, लेकिन विजिलेंस की जांच में डेढ़ साल बाद भी कोई ऐसा तथ्य सामने नहीं आया, जिससे किसी को इस केस में नामजद किया जा सके।

भाजपा में शामिल होने के बाद शीतल अंगुराल ने कहा था कि ऑपरेशन लोटस के मामले में क्या-क्या हुआ, इसे लेकर वह जल्द ही बड़ा खुलासा करेंगे। पंजाब में AAP विधायक का इस्तीफा मंजूर: BJP में गए थे; चुनाव होते ही रेजिग्नेशन वापस लेने स्पीकर के पास पहुंचे, बोले- कोर्ट जाऊंगा पंजाब के जालंधर वेस्ट से विधायक शीतल अंगुराल को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इस पर अब विधायक कहना है कि वह इस फैसले को चैलेंज करते हैं, और कोर्ट जाएंगे। इस फैसले के खिलाफ वह पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

इससे पहले आज सुबह करीब साढ़े 11 बजे स्पीकर से मिलने अंगुराल पहुंचे थे। हालांकि, स्पीकर विधानसभा में मौजूद नहीं थे, इसलिए विधायक को कुछ समय इंतजार करने के बाद लौटना पड़ा। वह स्पीकर के सामने अपना पक्ष रखने पहुंचे थे।

लौटते समय अंगुराल ने कहा, 'मैं स्पीकर से मिलने पहुंचा था, लेकिन वह विधानसभा में मौजूद नहीं हैं। मैं उनके सेक्रेटरी से मिलकर आया हूं। स्पीकर फिलहाल दिल्ली में हैं, जिसके चलते वह मिल नहीं सके। अब 11 जून को सुबह 11 बजे मुझे दोबारा बुलाया गया है। इस्तीफा वापस लेने का लेटर मैंने सेक्रेटरी के पास जमा कर दिया है, और रिसीविंग ले ली है।' मैंने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल किया अंगुराल बोले, 'मैं चाहता था कि लोकसभा चुनावों के साथ उप-चुनाव होते, जैसा हिमाचल में हुआ है। चुनाव से 69 दिन पहले मैंने इस्तीफा दिया, लेकिन अभी तक मंजूर नहीं किया गया। यह इनकी मर्जी थी। इस्तीफा वापस लेना मेरा लोकतांत्रिक अधिकार था, जिसे मैंने इस्तेमाल किया।'

वहीं, BJP छोड़ने के सवाल पर अंगुराल ने चुप्पी साधी। बोले, 'मैं इस पर कोई जवाब नहीं दूंगा। स्पीकर अगर कोई कार्रवाई करते हैं तो मैं कोर्ट का रुख करूंगा।' इससे पहले जब स्पीकर से मिलने अंगुराल पहुंचे तो उन्होंने कहा, 'मैंने इस्तीफा केवल इसलिए दिया था, क्योंकि लोकसभा चुनावों के साथ ही उसके चुनाव करवाए जाते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मेरे लोगों ने वोट मुझे डाले हैं, न की किसी पार्टी को। इसलिए, मैंने इस्तीफा वापस लेने का फैसला लिया है। आज मैं अपना पक्ष रखने आया। मेरे साथ किसी प्रकार कोई धक्का हुआ तो मैं हाईकोर्ट जाऊंगा।'

लोकसभा चुनाव से पहले BJP में शामिल हुए थे

साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में शीतल अंगुराल आम आदमी पार्टी की टिकट से जालंधर वेस्ट से जीतकर विधायक बने थे, लेकिन लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 27 मार्च को वह भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन जैसे ही मतदान संपन्न हुआ तो उन्होंने इस्तीफा वापस लेने के लिए विधानसभा स्पीकर को पत्र लिखा है।

स्पीकर को यह पत्र लिखा शीतल ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा, 'अगर इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया जाता तो लोकसभा चुनावों के साथ ही वेस्ट हलके की वोटिंग भी हो जाती, लेकिन विधानसभा स्पीकर ने मेरा इस्तीफा मंजूर नहीं किया। इसके चलते अब उक्त हलके में उप-चुनाव करवाने पड़ेंगे। इससे सरकार का चुनावी खर्च बढ़ेगा। यही वजह है कि मैं अपना इस्तीफा वापस ले रहा हूं।'

इस लेटर के बाद ही शीतल को विधानसभा स्पीकर ने आज वैरिफिकेशन के लिए बुलाया गया था।

सांसद रिंकू के साथ गए थे भाजपा में जालंधर वेस्ट हलके से विधायक अंगुराल के साथ जालंधर सीट से AAP सांसद रहे सुशील कुमार रिंकू भाजपा में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। उनके भाजपा में शामिल होने के बाद जालंधर में AAP वर्करों ने उनके घर के बाहर जमकर नारेबाजी की थी। वहीं, उन्हें पार्टी का गद्दार तक कह दिया था। इसके बाद जिला पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धरना देने और सरकार संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर मामला दर्ज भी किया था। ऑपरेशन लोटस के मुख्य शिकायतकर्ता पंजाब की राजनीति में भूचाल लाने वाले ऑपरेशन लोटस के मुख्य शिकायतकर्ता शीतल अगुंराल ही हैं। करीब डेढ़ साल पहले ऑपरेशन लोटस मामले में AAP के 2 विधायक शीतल अंगुराल और रमन अरोड़ा ने बयान दर्ज करवाए थे। मोहाली थाने में केस दर्ज होने के बाद इस मामले की जांच विजिलेंस ब्यूरो को सौंपी गई थी, लेकिन विजिलेंस की जांच में डेढ़ साल बाद भी कोई ऐसा तथ्य सामने नहीं आया, जिससे किसी को इस केस में नामजद किया जा सके। भाजपा में शामिल होने के बाद शीतल अंगुराल ने कहा था कि ऑपरेशन लोटस के मामले में क्या-क्या हुआ, इसे लेकर वह जल्द ही बड़ा खुलासा करेंगे।

हरियाणा-पंजाब में बदलने वाला है मौसम, गर्मी से मिलेगी राहत

जालंधर (हिमांशु) : हरियाणा में भीषण गर्मी के बाद अब ये सप्ताह कुछ राहत देने वाला रहेगा. मौसम विभाग के मुताबिक 4 जून से एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने वाला है, जिसकी वजह से 3 दिन तक प्रदेश में बारिश की संभावना बन रही है.

वहीं पंजाब में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने के बाद भी हीटवेव लोगों को परेशान कर रही है. तापमान में थोड़ी गिरावट से राहत जरूर मिली है.

मौसम विभाग ने पंजाब में 4 जून को हीटवेव का अलर्ट जारी किया है. इसके साथ ही 5 जून को कुछ राहत भी मिलने वाली है. पश्चिमी विक्षोभ के जोर पकड़ने से बारिश की संभावना बनती दिख रही है. वहीं मौसम विभाग ने मानसा, लुधियाना और बरनाला जिले के लिए हीटवेव का ओरेंज अलर्ट जारी किया है.

इसके साथ ही फाजिल्का, बठिंडा, मोगा, मुक्तसर, फिरोजपुर और फरीदकोट जिले में हीटवेव के साथ-साथ तेज तूफान और बारिश की भी संभावना जताई है. पंजाब के अन्य जिलों में येलो अलर्ट

जारी किया गया है. 5 और 6 जून को पंजाब में बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी. तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के आसार बन रहे हैं.

हरियाणा में ऐसा रहेगा मौसम

हरियाणा में 4 जून को वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा.

4 से 6 जून तक बादल छाए रहने की साथ-साथ तेज गति से हवाएं चलेंगी और बूंदाबांदी की भी संभावना है.

हरियाणा में कहां कितना रहा तापमान

हरियाणा के सिरसा में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग के मुताबिक, हरियाणा में सिरसा सबसे गर्म स्थान रहा. राज्य के अन्य स्थानों में भिवानी में अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रोहतक में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

अंबाला में अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस, हिसार में 42.7 डिग्री सेल्सियस, जबकि गुरुग्राम और फरीदाबाद में क्रमशः 42.5 डिग्री सेल्सियस और 43.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

पंजाब के जिलों में कहां कितना रहा तापमान

पंजाब के बठिंडा में अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. अमृतसर में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस, लुधियाना में 42.2 डिग्री सेल्सियस, जबकि पटियाला में अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. गुरदासपुर में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि फरीदकोट में अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस रहा.

अरविंद केजरीवाल को 21 दिन में क्या मिला- सहानुभूति बटोरी या और फजीहत?

जालंधर (नितिका) : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया है। मुख्यमंत्री आवास पर माता-पिता का आशीर्वाद लेकर निकले अरविंद केजरीवाल जेल से पहले महात्मा गांधी की समाधि राजघाट और दिल्ली के हनुमान मंदिर गए, और पार्टी दफ्तर में आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया।

चुनाव कैंपेन के लिए आम आदमी पार्टी नेता केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत की मियाद 1 जून को ही खत्म हो गई थी। उससे पहले अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत एक हफ्ता बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी भी दी थी, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है, अगली तारीख 5 जून मुकर्रर हुई है।

आप के दफ्तर से तिहाड़ रवाना होने से पहले अरविंद केजरीवाल ने नेताओं और कार्यकर्ताओं से बहुत सारी बातें कीं, और खुद को भगत सिंह का चेला बताते हुए कहा कि वे देश के लिए फांसी पर भी चढ़ने के लिए तैयार हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैं इसलिए जेल नहीं जा रहा कि मैंने कोई भ्रष्टाचार किया है... मैं इसलिए जेल में हूं क्योंकि मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत की है... मुझे नहीं पता कि अब मैं कब वापस आऊंगा, लेकिन मुझे कोई परवाह नहीं है।'

और फिर इंदिरा गांधी की स्टाइल में बोले, 'मेरे शरीर का एक-एक कतरा इस देश के लिए है... मेरे खून की एक-एक बूंद इस देश के लिए है... मैं देश

के लिए फांसी पर चढ़ने के लिए भी तैयार हूं।' लोकसभा चुनाव को लेकर आए एग्जिट पोल को फर्जी करार देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, '4 तारीख को मंगलवार है... भला करेंगे बजरंगबली... तानाशाहों का नाश करेंगे...हमारी किसी व्यक्ति विशेष से कोई दुश्मनी नहीं हैज् हमारी दुश्मनी तानाशाही से हैज् मेरा मानना है कि ये लोग नहीं जीत रहे।'

कुल मिलाकर देखा जाए तो अरविंद केजरीवाल का जेल से बाहर आना न तो उनके लिए, न आम आदमी पार्टी के लिए और न ही विपक्षी गठबंधन INDIA ब्लॉक के लिए अच्छा रहा। ऊपर से मुसीबतों का जो ढेर लगा वो अलग ही है।

फर्ज कीजिए, अगर अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर नहीं आए होते तो...

मालीवाल केस नहीं हुआ होता

अगर अरविंद केजरीवाल घर नहीं लौटे होते तो क्या स्वाति मालीवाल उनसे मिलने मुख्यमंत्री आवास गई होतीं? केजरीवाल से मिलने के लिए तो उनको तिहाड़ जेल ही जाना पड़ा होता।

जिस घटना के बारे में स्वाति मालीवाल ने बताया है, वैसी घटना तो कहीं भी हो सकती है, लेकिन अगर वह मुख्यमंत्री आवास न जातीं तो मारपीट कहां होती। और अगर यह सब नहीं हुआ होता तो विभव कुमार भी न गिरफ्तार होते, न जेल भेजे गए होते।

संजय सिंह का नया रूप देखने को नहीं मिलता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह जब जेल से छूटे तो उनके तेवर अलग ही देखने को मिले थे, लेकिन स्वाति मालीवाल केस के बाद तो लगता है जैसे वह गुम हो गए हैं।

वैसे तो संजय सिंह INDIA गठबंधन की बैठक में भी अरविंद केजरीवाल के साथ थे, और जब वे जेल जा रहे थे, तब भी उनके साथ डटे रहे लेकिन अब कहां सुनाई देता है - जेल के ताले टूटेंगे, केजरीवाल छूटेंगे। स्वाति मालीवाल केस में संजय सिंह की प्रेस कांफ्रेंस और आतिशी के बयानों में विरोधाभास इस बात के सबूत हैं कि संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल के रिश्ते में पहले वाली बात नहीं रही - संजय सिंह के लिए तो यह जैसा भी हो, लेकिन अरविंद केजरीवाल के लिए तो यह बहुत बड़ा नुकसान है।

कांग्रेस का भी पूरा साथ मिला होता

कांग्रेस नेतृत्व तो पहले से ही अरविंद केजरीवाल से बचता रहा है, लेकिन स्वाति मालीवाल केस के बाद चुनावी गठबंधन के बावजूद दोनों तरफ से परहेज देखा गया। लखनऊ में संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव के साथ मल्लिकार्जुन खरगे तो नजर आए, लेकिन अरविंद केजरीवाल दूर ही रहे। उसी दिन वे कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो करते देखे गए।

लेकिन राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल के साथ वैसे रोड शो या रैली नहीं की, जैसे अखिलेश यादव के साथ देखा गया था। दिल्ली कांग्रेस के नेता तो विरोध करते ही रहे हैं, अरविंदर सिंह लवली तो इसी मुद्दे पर कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में ही चले गए।

जो सहानुभूति मिल रही थी, बरकरार रहती

अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद दिल्ली के लोगों में एक सहानुभूति की लहर थी, लेकिन जेल से आने के बाद वह थोड़ी कम हो गई। चुनाव कैंपेन के दौरान जेल में इंसुलिन न मिलने का आरोप लगाकर अरविंद केजरीवाल ने लोगों की सहानुभूति बटोरने की कोशिश भी की। लेकिन एग्जिट पोल के नतीजे तो यही बता रहे हैं कि दिल्ली के लोगों को अरविंद केजरीवाल के साथ क्या हुआ, इसमें कोई दिलचस्पी नहीं रही। अगर ऐसा नहीं होता तो क्या दिल्ली की सभी सात सीटें बीजेपी को सौंपने के बजाय लोग अरविंद केजरीवाल के बारे में भी तो सोचते ही।

AAP के सामने नई चुनौतियां नहीं खड़ी होतीं

अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझकर काम कर रहे थे। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी पति का मैसेंजर बनकर मोर्चा संभाल ही लिया था - और रामलीला मैदान में यह भी देखने को मिला कि उन्हें कितनी अहमियत दी जा रही है।

अब तो ऐसा लग रहा है कि दोबारा जेल जाने से पहले अरविंद केजरीवाल ने सुनीता केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के सामने चुनौतियों का अंबार लगा दिया है।

'जो राम को लाएं हैं, हम उनको लाएंगे...', मुक्तसर में जागरण में भजन गाने पर भाजपा नेता पर FIR दर्ज

जालंधर (जसवीर) : मुक्तसर की नई अनाज मंडी में 30 मई की शाम को करवाए गए जागरण में भजन गाना महंगा पड़ गया। गायक कन्हैया मित्तल द्वारा गाए गए भजन 'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे' गाने पर जिला चुनाव अधिकारी ने भाजपा नेता व आयोजकों पर एफआइआर दर्ज करवा दी है।

नियमों का उल्लंघन करने का केस दर्ज

चुनाव प्रचार का समय समाप्त होने के बाद इस भजन का गायन होने पर एडीसी कम नोडल अधिकारी जिला मुक्तसर की शिकायत पर थाना सिटी में भाजपा नेता मंडल चढ़दी कला के प्रधान राज कुमार भटेजा मेलू व कार्यक्रम के आयोजक राइस मिल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण उर्फ बिंटा के खिलाफ चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन करने का केस दर्ज किया गया है। मामले में कमेटी के कुछ अज्ञात लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है। उक्त भजन को एक राष्ट्रीय पार्टी को विशेष लाभ पहुंचाने के नजरिए से देखा गया है।

चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद भी दर्ज की गई शिकायत

शिकायत में कहा गया है 30 मई को छह बजे के बाद चुनाव प्रचार बंद हो गया था। परंतु मीडिया की मोनिटरिंग के दौरान पाया गया कि राज भटेजा मेलू की फेसबुक पर देर शाम मुक्तसर में आयोजित जागरण कार्यक्रम की एक वीडियो अपलोड की गई। जिसमें पांच मिनट का भजन गायक कन्हैया मित्तल द्वारा गया जा रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। यह भजन चुनाव लड़ रही एक राष्ट्रीय पार्टी को विशेष राजनीतिक लाभ देने वाला सिद्ध हो सकता है।

इन धाराओं के तहत केस दर्ज

इसके अलावा छह बजे के बाद चुनाव प्रचार बंद होने के चलते स्पीकर के जरिए या सार्वजनिक सभा करके प्रचार करना लोक प्रतिनिधिता एक्ट 1951 के अनुसार वर्जित है। इसलिए भाजपा नेता के वीडियो अपलोड करने व राजनीतिक लाभ पहुंचाने वाला भजन गायक द्वारा भजन गाने पर आयोजक भारत भूषण उर्फ बिंटा पुत्र ज्योत राम बांसल निवासी पुड्डा कालोनी कोटकपूरा रोड मुक्तसर व राज भठेला मेलू पुत्र अमरनाथ निवासी मलोट रोड मुक्तसर के खिलाफ लोकप्रतिनिधिता एक्ट 1951 व 188 आइपीसी के तहत केस दर्ज किया जाता है।

सनातन धर्म प्रेमियों ने की निंदा

गत दिनों नई अनाज मंडी में विश्व सनातन धर्म सभा द्वारा श्री श्याम प्रभू खाटू वाले के संकीर्तन में श्री राम नाम लेने के मामले में राइस मिल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण बिंटा और राजकुमार पुत्र अमरनाथ सहित अन्य पर केस दर्ज करने का मामला गर्मा गया है। इस मामले में विभिन्न धार्मिक संगठन, समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी भारत भूषण बिंटा और राजकुमार भटेजा मेलू के पक्ष में आ गए हैं।

श्री श्याम प्रचार मंडल के अध्यक्ष रमन गुप्ता, कच्चा आढ़तिया एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजेश कुमार बब्बा, सुनील गुंबर, अग्रवाल सभा के सचिव नरिंदर बांसल, श्री राम दशहरा कमेटी के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अशोक चुघ, भारत विकास परिषद के उपाध्यक्ष राकेश कुमार कथूरिया, गौरव सलूजा, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अजय गुप्ता, करने वाला श्याम कराने वाला श्याम परिवार के चेयरमैन अनिल वाट्स, सरपरस्त गोल्डी सिंगला, अध्यक्ष अरुण गुप्ता समेत विभिन्न सनातन धर्म प्रेमियों ने इस मामले की घोर निंदा करते हुए कहा कि श्री श्याम प्रभु के संकीर्तन दौरान चुनाव आचार संहिता का कहीं भी उल्लंघन नहीं हुआ है क्योंकि उत्सव दौरान कहीं कोई चुनावी मुद्दा नहीं उछाला गया।

बेवजह केस हुआ दर्ज : सनातन धर्म प्रेमी

भजन सम्राट कन्हैया मित्तल द्वारा भजन जो राम को लाएं हैं, हम उनको लाएंगेज्को गलत नजरिए से चुनावी रंगत के साथ जोड़कर बेवजह ये केस दर्ज किया गया है, जो रद्द होना चाहिए। संकीर्तन में अगर कोई चुनावी मुद्दा उछाला गया होता तो बात अलग थी, मगर वहां कोई चुनावी बात हुई तक नहीं है।

ऐलान से नतीजों तक 80 दिन चली प्रोसेस; 751 पार्टियों के 8360 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा

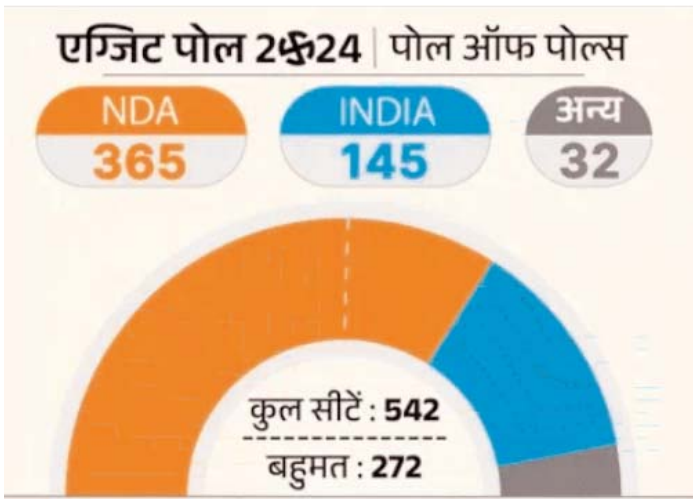

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 16 मार्च से शुरू हुआ चुनाव प्रचार, 75 दिन चला। 19 अप्रैल से 1 जून तक सात फेज में वोटिंग हुई। चुनाव की यह प्रोसेस कुल 43 दिन तक चली। अब 4 जून को पिछले 80 दिनों का इंतजार खत्म होगा।

इस बार कुल 8360 उम्मीदवारों ने चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म के मुताबिक, 1333 नेशनल पार्टी से, 532 स्टेट पार्टी से, 2580 गैर मान्यता प्राप्त पार्टी से और 3915 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 2019 में 7928 और 2014 में 8205 ने चुनाव लड़ा था। 751 पार्टियों ने अपने कैंडिडेट उतारे थे।

2019 में ये आकंड़ा 677 और 2014 में 464 था। 543 सीटों पर सबसे ज्यादा बसपा के 487, BJP के 440, कांग्रेस के 327 और CPI-M के 52 उम्मीदवार मैदान में थे।

कल नतीजे आने हैं, इससे पहले जानिए काउंटिंग प्रोसेस क्या होगी। रिजल्ट कब तक आएगा। लोकसभा चुनाव के नतीजे से पहले एग्जिट पोल्स में PM मोदी तीसरी बार हैट्रिक लगाते नजर आ रहे हैं। एक पोल में तो NDA 400 के पार तक पहुंच रही है। 13 एग्जिट पोल के पोल ऑफ पोल्स में NDA को 365 और INDIA को 145 सीटों का अनुमान है। अन्य को 32 सीटें मिल सकती हैं। इस बार भाजपा 2019 में मिली 303 सीटों का आंकड़ा पार कर सकती है।

2019 और 2024 में हुए सातों फेज के वोटर टर्नआउट की तुलना

लोकसभा चुनाव 2019 में भी सात चरण में चुनाव हुए थे, लेकिन 2024 के 7 में से 5 चरणों में पिछली बार की तुलना में वोटिंग 4 प्रतिशत तक घटी है। जिन 2 चरणों में वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है, वहां 1त्न से कम का अंतर है।

क्या होगी काउंटिंग की प्रोसेस

चुनाव आयोग के मुताबिक 4 जून को काउंटिंग प्रोसेस सुबह 8 बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती होगी। इसके बाद EVM के वोट गिने जाएंगे। पोस्टल बैलट 2 कैटेगरी में काउंट होंगे। पहले सेना, पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों और ऑफिसर्स के वोट काउंट होंगे। सेकेंड कैटेगरी में चुनाव ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों, अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों के पोस्टल बैलट काउंट होंगे। इन सभी पोस्टल बैलट वोट को सबसे आखिर में EVM के वोट के साथ जोड़ा जाएगा। आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए भी काउंटिंग 4 जून को सुबह आठ बजे शुरू होगी। विधानसभा बाय इलेक्शन के लिए गिनती इसी दिन होगी।

फाइनल रिजल्ट कब तक आएगा

काउंटिंग शुरु होने के शुरुआती 4 घंटों के बाद यानी दोपहर 12 बजे तक रुझान आने शुरू होंगे। करीब 2 बजे से नतीजे आने शुरू हो जाएंगे। EVM के वीवीपैट से मिलान, वीवीपैट पर्ची काउंटिंग और पोस्टल बैलट जोड़ने के बाद फाइनल रिजल्ट शाम 6 बजे तक घोषित होने की संभावना है।

किस पार्टी ने कितनी रैली कीं

2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी ने सबसे ज्यादा 206 रैलियां और रोड शो किए। 80 इंटरव्यू दिए। 2019 में उन्होंने 145 चुनावी कार्यक्रम किए थे। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने 118 रैलियां और रोड शो किए हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 88 रैलियां और रोड शो किए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 107, प्रियंका गांधी ने 108 रैलियां और रोड समेत बाकी चुनावी कार्यक्रम किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 100 से ज्यादा इवेंट में हिस्सा लिया।

लोकसभा चुनाव 2024 के चर्चित चेहरे

पीएम नरेंद्र मोदी
वाराणसी

राहुल गांधी
वायनाड-रायबरेली

अमित शाह
गांधीनगर

ज्योतिरादित्य सिंधिया
गुना

शिवराज सिंह चौहान
विदिशा

दिग्विजय सिंह
राजगढ़

तमिलिसाई सौंदरराजन
चेन्नई साउथ

अरुण गोविल
मेरठ

हेमा मालिनी
मथुरा

कंगना रनोट
मंडी

युसुफ पठान
बहरामपुर

महबूबा मुफ्ती
बारामूला-राजौरी

अभिजीत गंगोपाध्याय
तामलुक

स्मृति ईरानी
अमेठी

संबित पात्रा
पुरी

माधवी लता
हैदराबाद

पवन सिंह
काराकाट

प्रज्वल रेवन्ना
हासन

सात में से सिर्फ 5 चरणों में पिछली बार से वोटिंग 4% तक घटी

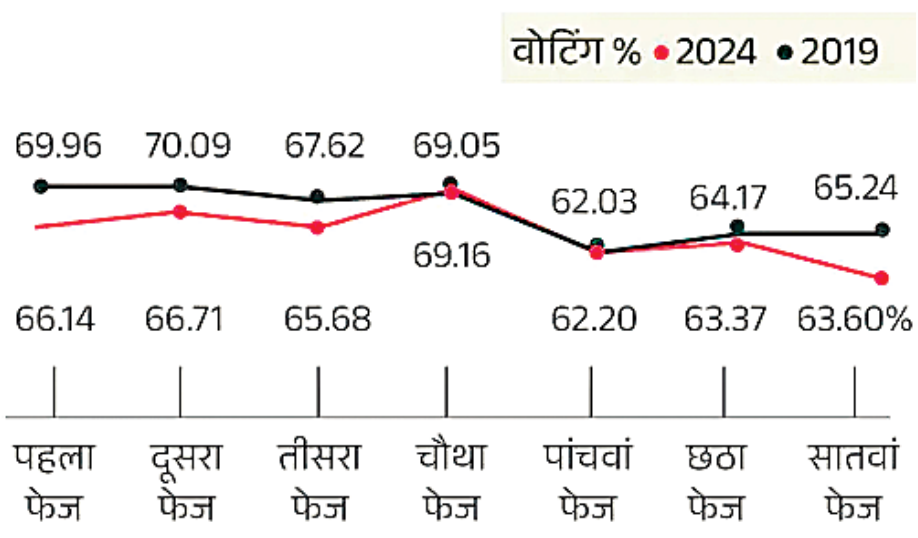

ये जो लालटेन लेकर मुजरा करने वाली जमात है, ये बिहारियों के अपमान के बाद भी कांग्रेस के चरण चूम रही है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं, जहां ईस्ट के लोग चीनी, वेस्ट के अरेबियन, नॉर्थ के श्वेत और साउथ के अफ्रीकन जैसे दिखते हैं।

सैम पित्रोदा
इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष